



3, 71, 438

प्रसारण संस्था का विद्युत कीर्तमान रचने वाली
मानव की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

पौधों की होली

श्याम नाशयण श्रीनाश्रतव

पीली अरझों तीसी नीली
लान अफेद मटर थों फूनी

अंग - अंग में रंगे रंगीले
अरहर अनई पीले - पीले

टेशू लान - लान चटकीले
आम के बौर थोड़े मटमैले

थे बरसत जब से आया है
रंगों की फुहार लाया है

फागुन के आने पर ऐसे
रंगों की बरसात हो जैसे

मानव का ही पर्व नहीं थे
पौधों ने भी होली खेली

•श्यामगढ़ (छ.ग.)